उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ : दिसम्बर 2017

प्रवेश

विश्वविद्यालय द्वारा राज्य के उन सभी छात्र-छात्राओं के लिए विशेष प्रवेश प्रक्रिया (ग्रीष्म कालीन 2017-18) प्रारंभ की है जो राज्य के श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय एवं कुमाऊं विश्वविद्यालय में पूर्व में संचालित व्यक्तिगत परीक्षाओं के माध्यम से उच्च शिक्षा प्राप्त करते थे और उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के ग्रीष्मकालीन सत्र 2017-18 में निर्धारित तिथि तक प्रवेश नहीं ले पाये थे।

उत्तराखण्ड शासन के कार्यालय-ज्ञाप संख्या- 1238/XXXIV(6)/2016-12(136)/15 XXXIV(6)/ 2016-12 (136)/15 दिनांक- 14 दिसम्बर, 2016 के अनुसार जुलाई 2017 से व्यक्तिगत परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों को दूरस्थ शिक्षा व्यवस्था के अंतर्गत प्रवेश देने के निर्देश प्राप्त हुए थे। उक्त शासनादेश के तहत् श्रीदेव सुमन व कुमाऊँ विश्वविद्यालय द्वारा इस वर्ष से बीए, एमए, बी काम व एम कॉम के प्रथम वर्ष के प्रवेश पूर्ण रूप से बंद कर दिये गये है।

विश्वविद्यालय की प्रचलित व्यवस्थानुसार ग्रीष्मकालीन सत्र 2017-18 के प्रवेश की तिथि दिनांक 25 सितंबर, 2017 को समाप्त हो गई थी किन्तु जो छात्र प्रवेश लेने से वंचित रह गये थे उनके लिए **विशेष प्रवेश प्रक्रिया**, विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की बैठक में लिए गये निर्णय के अनुसार शुरू की गई है जो 26 दिसंबर, 2017 से 10 जनवरी, 2018 तक चलेगी और जून में ही उनकी परीक्षाएं सम्पन्न होंगी। अद्यतन 9,300 विद्यार्थियों द्वारा विशेष प्रवेश प्रक्रिया के सम्बन्ध में वेबसाईट को लॉग इन किया है जिसकी विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है **(संलग्नक- क)** ।

वर्तमान विशेष प्रवेश प्रक्रिया सत्र हेतु 20,000 विवरणिकाओं का प्रकाशन किया गया है। दिनांक 1/1/2018 तक 154 प्रवेशार्थियों द्वारा प्रवेश लिया गया है।

परीक्षा

विश्वविद्यालय वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा प्रदेश के 51 परीक्षा केन्द्रों में दिनांक 01 दिसम्बर 2017 से संचालित हो रही थी वह 29 दिसम्बर 2017 को सुचारू रूप से समाप्त हो चुकी है। मुख्य परीक्षा में कुल 12,838 परीक्षार्थी, बैक में 8,314 परीक्षार्थी व सुधार परीक्षा में कुल 200 परीक्षार्थी (**कुल 21,352 परीक्षार्थी**) सम्मिलित हुए। वर्तमान में उत्तरपुस्तिकाओं की छटनी व मूल्यांकन कार्य गतिमान है जिससे विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम समय पर घोषित किया जा सके।

माह दिसम्बर में 380 मूल उपाधियॉ, 37 अन्तरिम उपाधि/अनापत्ति प्रमाण पत्र वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

डिजिटल क्रांति में विश्वविद्यालय का योगदान

यू ओ यू एप-

विश्वविद्यालय द्वारा तैयार किये गये यू ओ यू एप का लोकार्पण डॉ ,माननीय शिक्षा मंत्री ,धन सिंह रावत . उत्तराखंड सरकार द्वारा29 नवम्बर, 2017 को किया गया था जिसे माह दिसम्बर में उपयोगकर्ताओं 1000 द्वारा डाउनलोड किया गया है।

विश्वविद्यालय वेबसाइट नवीनीकरण-

विश्वविद्यालय की नवीन वेबसाइट का लोकार्पण भी डॉ. धन सिंह रावत, माननीय शिक्षा मंत्री, उत्तराखंड सरकार द्वारा 29 नवम्बर, 2017 को किया गया था जिसे विद्यार्थिओं की सुविधा हेतु नए रूप में प्रस्तुत किय गया है। इस नवीन वेबसाईट को माह दिसम्बर में लगभग 98, 000 (1 Dec 2017 to 3 Jan 2018) उपयोगकर्ताओं द्वारा visit किया गया है

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमो की स्वनिर्मित अध्ययन सामग्री विश्वविद्यालय - उपयोग के लिए उपलब्ध (कमर्शियल-नॉन) वाणिज्यिक-की वेबसाइट में गैर

विश्वविद्यालय द्वारा इस वर्ष से विभिन्न विद्याशाखाओं द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की स्वनिर्मित अध्ययन - सामग्री को छात्रों की सुविधा के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर CC-BY-SA-NC (Creative Common by Attribution Share Alike Non-commercial) लाइसेंस के तहत अपलोड कर दिया गया है निर्मित अध्ययन सामग्री को देख सकता -इस लाइसेंस के अंतर्गत विद्यार्थी विश्वविद्यालय द्वारा स्व | निर्मित अध्ययन -इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा स्व |है तथा साथ ही इसका अध्ययन भी कर सकता है वाणिज्यक -सामग्री का उपयोग कोई भी लाभार्थी गैर उद्देश्य के लिए कर सकता है विश्वविद्यालय के इस | प्रयास का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार की दूर संचार क्रांति में अपने सहयोग को सुनिश्चित करना व छात्रों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड |उनकी सुविधा के अनुसार अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराना है निर्म-की गई स्वि◌ित अध्ययन सामग्री का विवरण निम्नवत है:

माह दिसम्बर, 2017 में निम्न प्रथम वर्ष/ सेमेस्टर की स्वनिर्मित पाठ्य सामग्री विश्वविद्यालय की वेबसाईट में Upload की गई-

1. LLM-17 Master of Laws
2. MAEC-17 Master of Arts – Economics

3. MAED-17 Master of Arts in Education
4. MAEL-17 M.A. English
5. MAHI-17 Master of Arts – History
6. MAHL-17 M.A. Hindi
7. MAPA-17 Master of Arts – Public Administration
8. MAPS-17 Master of Arts – Political Science
9. MASL-17 M.A. Sanskrit
10. MASO-17 Master of Arts – Sociology
11. MAUL-17 M.A. Urdu
12. MAY-17 M.A. Yoga
13. MBA-17 Master of Business Administration
14. MCA-17 Master of Computer Application
15. MCOM-17 Master of Commerce
16. MHM-17 Master of Hotel Management
17. MSW-17 Master of Arts – Social Work
18. MTTM-17 Master of Tourism and Travel Management
19. BA-17 Bachelor of Arts
20. BAG-17 Bachelor of Art with Geography
21. BAY-17 B.A. (Yoga)
22. BBA-17 Bachelor of Business Administration.
23. BCA-17 Bachelor of Computer Application.
24. BCOM-17 Bachelor of Commerce.
25. BHM-17 Bachelor of Hotel Management.
26. BSC-17 Bachelor of Science.
27. BTTM-17 Bachelor of Tourism and Travel Management.

विस्तृत विवरण संलग्न है **(संलग्नक-ख)**।

विशेष प्रवेश प्रक्रिया में विश्वविद्यालय द्वारा डिजिटल प्रकियाओं का उपयोग

विश्वविद्यालय द्वारा राज्य के उन सभी छात्र-छात्राओं के लिए विशेष प्रवेश प्रक्रिया (ग्रीष्म कालीन 2017-18) प्रारंभ की है जो पूर्व में राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों में संचालित व्यक्तिगत परीक्षाओं के माध्यम से उच्च शिक्षा प्राप्त करते थे | उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा उन सभी छात्र-छात्राओं के लिए विशेष प्रवेश प्रक्रिया (ग्रीष्म कालीन 2017-18) प्रारंभ की है ताकि वह समय रहते विश्वविद्यालय द्वारा संचालित बी. ए., एम. ए., बी. काम. व एम. कॉम. पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष में प्रवेश ले सकें |

यह प्रवेश प्रक्रिया 26 दिसंबर, 2017 से 10 जनवरी, 2018 तक चलेगी और जून में ही उनकी परीक्षाएं सम्पन्न होंगी। इस प्रवेश प्रक्रिया के तहत विश्वविद्यालय द्वारा पहली बार ऑनलाइन माध्यम से छात्र-छात्राओं को प्रवेश लेने के अभिप्रेरित किया, जिसके आशातीत परिणाम प्राप्त हुए | अधिकांश छात्र-छात्राओं द्वारा ऑनलाइन माध्यम से प्रवेश लिया गया तथा उनका यह मानना है कि इस माध्यम से प्रवेश लेने में उन्हें कोई दिक्कत नहीं आई है | लेकिन प्रदेश के दूर दराज के क्षेत्र जहाँ किन्ही तकनीकी कारणों से प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से प्रवेश नहीं ले सकते, उनकी सुविधा के लिए विश्वविद्यालय द्वारा आठों क्षेत्रीय केन्द्रों के सभी अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों के साथ बैठक कर उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित विवरणिका उपलब्ध कराई गई ताकि प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थी ऑफलाइन माध्यम से समय पर प्रवेश ले सकें | विश्वविद्यालय के इस प्रयास से भारत सरकार की डिजिटल क्रांति को और बल मिला है |

पाठ्य सामग्री निर्माण

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की विभिन्न विद्याशाखाओं द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की स्व अध्ययन सामग्री का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसमें समाज शास्त्र, लोक प्रशासन, राजनीति विज्ञान, वाणिज्य, होटल प्रबंध, प्रबन्ध अध्ययन, इतिहास व ज्योतिष विषय से सम्बन्धित पाठ्यक्रमों के द्वितीय वर्ष/सेमेस्टर की स्व-अध्ययन सामग्री का निर्माण किया जा रहा है। उक्त पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष/सेमेस्टर की स्व-अध्ययन सामग्री निर्मित कर गत वर्ष प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को वितरित की जा चुकी है।

इसके अतिरिक्त रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, वनस्पति विज्ञान, भूगोल (स्नातक) व गृह विज्ञान (परास्नातक) पाठ्यक्रमों के द्वितीय वर्ष की स्व-अध्ययन सामग्री का निर्माण कर लिया गया है तथा इनके संपादन का कार्य किया जा रहा है।

सामुदायिक रेडियो 'हैलो हल्द्वानी' से प्रसारित कार्यक्रम

- प्रोग्राम आधी आबादी में नर्मदा बचाओ आंदोलन की अगुवा राइट लाइवलीहुड पुरुस्कार से नवाजी जा चुकी सोशल एक्टीविस्ट मेधा पाटकर से सुनीता भास्कर की बातचीत (28/12/2017)
- प्रोग्राम मुलाकात में अनारकली आफ आरा फिल्म के डायरेक्टर अविनाश दास से भूपेन सिंह की बाचतीत (25/12/2017)
- प्रोग्राम बदलती हल्द्वानी में हल्द्वानी शहर के ट्रैफिक इंस्पेक्टर महेश चन्द्रा से सुनीता भास्कर की बातचीत (19/12/2017)

- प्रोग्राम मुलाकात में पिछले पांच दशकों से महिला मुद्दों पर कार्यरत महिला समाख्या की कोर्डिनेटर गीता गैरोला से भूपेन सिहं की बातचीत(28/12/2017)
- प्रोग्राम विज्ञान की दुनिया में विज्ञान पर दर्जनों पुस्तक लिख चुके बहुत चर्चित आत्मकथा मेरी यादों का पहाड़ के लेखक देवेन मेवाड़ी से सुनीता भास्कर की बातचीत (5/12/2017)
- प्रोग्राम घुमक्कड़ी में ट्रेवलर गरिमा सिंह से उनकी उत्तराखंड के साथ ही बाहर की यात्राओं पर बातचीत सुनीता भास्कर के साथ (15/12/2017)
- प्रोग्राम मुलाकात के लिए लोकप्रिय लोक गायिका कबूतरी देवी भूपेन सिंह की बातचीत (28/12/2017)
- यंग हल्द्वानी प्रोग्राम के लिए रॉकस्टार व रैप गायक कपिल पांडे से सुनीता भास्कर की बातचीत (6/12/2017)
- प्रोग्राम आधी आबादी में उत्तराखंड की नौ महिला संगठनों के साझा सम्मेलन की दो दिवसीय रिपोर्ट सुनीता भास्कर के साथ (26/12/2017)
- डिजीटल दुनिया प्रोग्राम के लिए साइबर एक्टपर्ट आशुतोष भट्ट व गोपाल दत्त से अनिल नैलवाल की बातचीत (1/12/2017)
- प्रोग्राम हैल्दी हल्द्वानी में सामुदायिक औषधि विभाग के साइंटिस्ट विजय वर्मा से सुनीता भास्कर की बातचीत(29/12/2017)
- प्रोग्राम लोकरंग में लोककर्मी नागेन्द्र जोशी एंड ग्रुप से सुनीता भास्कर की बातचीत (29/12/2017)
- प्रोग्राम यंग हल्द्वानी में युवाओं के बीच कार्य कर रही व स्कूल प्रिंसीपल किशुंक गौड़ से सुनीता भास्कर की बातचीत (10/12/2017)
- प्रोग्राम जमीनी बात में सब्जी विक्रेता महेन्द्र सिंह कश्यप से अनिल नैलवाल की बातचीत (20/12/2017)
- प्रोग्राम बात पहाड़ की में फायर कंपनी में कार्यरत मनमोहन सिंह से सुनीता भास्कर की बातचीत (2/12/2017)

शोध व अकादमिक सम्बन्धी गतिविधियॉ

- माह नवम्बर, 2017 में विश्वविद्यालय के डॉ. अखिलेश सिंह, सहायक प्राध्यापक, पर्यटन द्वारा UGC, HRDC कुमांऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आयोजित Orientation Programme पूर्ण कर लिया गया है।

- डॉ0 दिनेश कुमार, सहायक प्रध्यापक, शिक्षाशास्त्र का दिसम्बर 2017, में अन्तराष्ट्रीय जर्नल में शोध पत्र प्रकाशित हुआ।
- डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल का दिसम्बर 2017 में UGC Approved Journal विद्यावार्ता में शोध पत्र पकाशित हुआ।

ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज व उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय : एक यात्रा

ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज की शुरुआत यूनेस्को द्वारा 2002 विकसित देशों में उच्च शिक्षा के विकास के लिए पाठ्य सामग्री की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई थी | इस के तहत कोई भी लाभार्थी शैक्षिक सामग्री का उपयोग विधिक तरीके से अपने उद्देश्य के लिए कर सकता है | इस प्रयास का मुख्य उद्देश्य शैक्षिक सामग्री की उपलब्धता को किसी भी देश के लाभार्थी को बिना किसी कठिनाई व भुगतान किये बिना उपलब्ध कराना है | इसके अतिरिक्त इसके मुख्य उद्देश्यों में लागत को कम करना, वैश्विक स्तर पर शिष्ट जनों के मध्य विचार विमर्श को बढ़ावा देना व जीवनपर्यन्त सीखने की कला को बढ़ावा देना आदि भी है |

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज की शुरुआत वर्ष 2011 में हुई जब विश्वविद्यालय द्वारा CEMCA के सहयोग से ICT विषय पर एक अन्तर्रष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया | इसी कड़ी में विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2012 में विश्वविद्यालय के अध्यापकों को CEMCA द्वारा ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज विषय पर आयोजित कार्यशाला में प्रशिक्षण हेतु भेजा गया तथा साथ ही वर्ष 2014 में ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज सेल का गठन किया गया | इस सेल का मुख्य उद्देश्य नीति निर्माताओं व विश्वविद्यालय के हितधारकों के लिए कार्यशालाएँ आयोजित करना है |

वर्ष 2014 में ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज की सहायता से पी. जी. डिप्लोमा इन साइबर सिक्यूरिटी की शुरुआत की गई | वर्ष 2016 में ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज पोलिसी को विश्वविद्यालय की कार्य परिषद् व अकादमिक परिषद् द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई | इसी वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज की सहायता से आठ पाठ्यक्रमों का निर्माण किया गया | वर्ष 2017 में ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज रिपॉजिटरी लांच की गई तथा साथ ही सम्बंधित पाठ्यक्रमों के लिए सहायक विडियो रिकॉर्ड किये गए व CC-BY-SA लाइसेंस के तहत रिलीज़ किये गये |

ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज के सम्बन्ध में विश्वविद्यालय द्वारा सराहनीय प्रयास किये तथा इसमें विश्वविद्यालय को आशातीत सफलता भी प्राप्त हुई है | इसमें मुख्यतः ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज

पोलिसी का निर्माण करना, ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज का उपयोग से विभिन्न पाठ्यक्रमों का निर्माण करना, ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज पोलिसी रिपॉजिटरी का निर्माण करना व MOODLE LMS, मोबाइल ऐप का निर्माण करना आदि है |

ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज के सम्बन्ध में आने वाली कठिनाइयों में इसकी स्थिरता व इसके हित धारको द्वारा इसकी स्वीकृति है। विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है **(संलग्नक-ग)**।

साइबर सिक्यूरिटी के सम्बन्ध में जागरूकता

विश्वविद्यालय द्वारा साइबर सिक्यूरिटी के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से साइबर सिक्यूरिटी विषय में फाउंडेशन कोर्स का निर्माण किया है| इस क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षकों एवं स्टाफ के लिए तीन माह का प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया| विश्वविद्यालय द्वारा इस पाठ्यक्रम से संबंधित अनुपूरक शिक्षण सामग्री ऑनलाइन माध्यम में विश्वविद्यालय की ई–लर्निंग वेबसाइट www.elearning.uou.ac.in पर उपलब्ध कराई गयी है| विद्यार्थियों के लिए यह पाठ्यक्रम उक्त वेबसाइट में आगामी शिक्षण सत्र से मुफ्त में उपलब्ध होगा| विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है **(संलग्नक-घ)**।

अन्य गतिविधियां

- दिनांक 11 दिसम्बर 2017 को राष्ट्रमंडल शैक्षिक मीडिया केंद्र एशिया (Commonwealth Educational Media Centre For Asia) CEMCA द्वारा मुक्त विश्वविद्यालय, श्रीलंका में आयोजित 17वीं एडवाईजरी कौंसिल की बैठक में देश के मुक्त विश्वविद्यालयों से दूरस्थ शिक्षा के विशेषज्ञ के रूप में कुलपति द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- कुलपति जी द्वारा Krishna Kanta Handiqui State Open University, Guwahati द्वारा 16th से 17th दिसम्बर 2017 को Developmental Interventions and Open Learning for Empowering and Transforming Society विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्टी में मुख्य

वक्ता के रूप में प्रतिभाग किया तथा मुक्त शिक्षा एवं उसके विकास से संबन्धित विषयों पर अपने विचार रखे।

- यूजीसी, नई दिल्ली की ओर से कुमाऊं विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में कुलपति प्रोफेसर नोगेश्वर राव तथा कुलसचिव प्रोफेसर आर0 सी0 मिश्र द्वारा प्रतिभाग किया गया।

- डॉ जितेन्द्र पांडे, सहायक प्राध्यापक कम्प्यूटर साइंस विभाग ने Krishna Kanta Handiqui State Open University, Guwahati द्वारा 16th से 17th दिसम्बर 2017 को Developmental Interventions and Open Learning for Empowering and Transforming Society विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्टी में विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभाग किया | इस संगोष्टी के एक तकनिकी सत्र में डॉ0 जितेन्द्र पांडे द्वारा ओपन एजुकेशनल रिसौसेस (OERs) के माध्यम से गुणवत्तायुक्त उच्च शिक्षा के सुवसरों पर अपने विचार रखे।

- दिनांक 28/12/17 तथा 29/12/17 को बी0एड0 विशिष्ट शिक्षा के चतुर्थ सेमेस्टर के SILMS की समीक्षा बैठक निदेशक शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में, प्रो0 एस0 पी0 गुप्ता – पूर्व निदेशक, शिक्षाशास्त्र विद्याशााखा, राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 एच0 पी0 शुक्ल –निदेशक, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, प्रो0 जे0 के0 जोशी –आंतरिक सदस्य, डॉ0 दिनेश कुमार –सहायक प्राध्यापक, डॉ0 प्रवीण कुमार तिवारी–सहायक प्राध्यापक, सुश्री ममता कुमारी – सहायक प्राध्यापक, डॉ0 कल्पना पाटनी लखेड़ा–सहायक प्राध्यापक/कार्यक्रम प्रभारी विशिष्ट शिक्षा विभाग, डॉ0 सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल–समन्वयक बी0एड0 विशिष्ट शिक्षा कार्यक्रम, श्रीमती मनीषा पन्त –अकादमिक एसोसिएट द्वारा प्रतिभाग किया गया।

बैठक में चतुर्थ सेमेस्टर के विभिन्न पाठ्यक्रमों/पाठ्यसामग्री के सम्बन्ध में विस्तृत विचार विमर्श किया गया। इस सम्बन्ध में बी0एड0 विशिष्ट शिक्षा के चतुर्थ सेमेस्टर के विभिन्न प्रश्नपत्रों की पाठ्य संरचना एवं विश्वविद्यालय में अन्य पाठ्यक्रमों के सापेक्ष उपलब्ध स्व–अध्ययन सामग्री (SILM) को संज्ञान में लेते हुए विस्तृत विचारोपरांत निम्न संस्तुतियाँ की गई।

- माह दिसम्बर में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, परिसर कार्यालय, देहरादून को नवीन भवन- यू0सी0एफ0 सदन, विष्णु विहार, दीप नगर रोड, नियर प्रसार भारती केन्द्र (रिस्पना पुल), अजबपुर कलॉ, देहरादून में स्थानान्तरित किया गया।

- माह दिसम्बर, 2017 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त माह दिसम्बर, 2017 में सम्पन्न परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन हेतु प्रेषण कार्य, शिक्षकों द्वारा पाठ्यक्रम निर्माण/ सुधार/ संशोधन/ पुस्तकों की संचरना/ प्रकाशन आदि कार्य किए जा रहे है। विद्याशाखाओं के शिक्षकों के व्याख्यानों की वीडियो रिकार्डिंग, विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किए गये।

  विश्वविद्यालय की अन्य गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है (संलग्नक-ड.)।

****